28 / 12 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सदा एकरस संपूर्ण चमकता सितारा बनने की अनुभूति

➢➢ स्वयं के सत्य स्वरूप मे सिथत होना

➳ _ ➳ एक चैतन्य सितारा मैं आत्मा

➳ _ ➳ इस मस्तक सिंहासन पर विराजमान हूं

→ स्वयं के चमकते स्वरूप को देख रही हूं

→ लग्न में मगन मैं आत्मा

→ अपने वर्तमान और भविष्य को देख हर्षित हो रही हूं

- भगवान ने मुझे क्या से क्या बना दिया !
- सदा इस उच्च भाग्य की स्मृति
- मेरी एकरस अवस्था का आधार है
- मैं श्रेष्ठ भाग्यवान चमकता तेज पुंज हूं

➢➢ मैं आत्मा विश्व ग्लोब पर अपने आकारी देह में हूं

➳ _ ➳ प्रकाश की देह मे मैं आत्मा

➳ _ ➳ सृष्टि पर चल रहे

➳ _ ➳ इस अविनाशी खेल को साक्षी हो देखती हूं

→ संसार में चारों और हर आत्मा

→ परमात्मा की खोज कर रही है

- कौन है वह शक्ति जो कार्य कर रही हैं ?
- कहां है वह शक्ति ?
- यह प्रश्न सबके मन में उठ रहे हैं

➳ _ ➳ सारा संसार जिस एक को प्राप्त करना चाहता है

➳ _ ➳ वह परमात्मा इस भारत भूमि पर अवतरित हो चुके हैं

→ मीठा बाबा प्यार का सागर है

→ विश्व के कोने- कोने से सर्व आतमाएं

→ उस एक की कशिश से भारत में खींचती चली आ रही है

→ अशांत आत्माएं शांति की खोज में

→ भारत के आबू पर्वत पर पहुंच रही हैं

- दुखहर्ता- सुखकर्ता बाप की सुख की किरणे
- सर्व दुखी आत्माओं को अपनी और खींच रही है
- भारत विश्व के लिए लाइट हाउस- माइट हाउस बन गया है
- भारत की जय जयकार चारों और हो रही है

➳ _ ➳ बाबा की प्रत्यक्षता ब्रह्मण बच्चों द्वारा हो रही है

→ हर एक ब्राह्मण आत्मा प्रत्यक्षता के निमित्त है

→ हम ब्राह्मण कुल के चमकते सितारे

→ मास्टर दाता का पार्ट बजा रहे हैं

- एक-एक ब्राह्मण आत्मा लाखों के कल्याण के निमित्त है
- संसार में चारों और ब्राह्मण आत्माएं
- सितारों की समान चमक रही हैं

➳ _ ➳ बाबा सदा हम बच्चों को आगे रखते

➳ _ ➳ हमारा भाग्य उच्च बना रहे हैं

→ सतगुरु शिव बाबा ने अपने बच्चों को

→ मास्टर सद्गुरु का वरदान दिया है

- हर बच्चा मास्टर सतगुरु बन
- अनेक आत्माओं को गति सद्गति की राह दिखा रहा है
- परमात्मा का सत्य परिचय पाकर
- धीरे -धीरे सर्व आत्माएं परमधाम में अपने घर की ओर जा रही हैं
- और इस धरा पर सुख शांतिमय
- एक राज्य ,एक धर्म की स्थापना हो गई है